



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 811 ]  
No. 811]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 15, 2000/अग्रहायण 24, 1922  
NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 15, 2000/AGRAHAYANA 24, 1922

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)  
(पूंजी बाजार अनुभाग)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 2000

का.आ. 1123(अ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के अनुच्छेद (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रतिभूति के रूप में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा संरचित/निजी स्थापन आधार पर, वर्ष 2000-2001 के दौरान दो ट्रांशों में जुटाए जाने वाले 25 सौ करोड़ रुपए के कुल सकल मूल्य के भारतीय स्टेट बैंक के दीर्घावधि बॉण्ड प्राधिकृत करती है।

[एफ. सं. 6/19/सीएम/2000]

डा. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)  
(Capital Market Division)  
NOTIFICATION

New Delhi, the 15th December, 2000

S.O. 1123(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of Section 20 of the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the SBI long term bonds of the total aggregate value of Rupees twenty five hundred crore to be raised in two tranches during the year 2000-2001 on structured/private placement basis by State Bank of India as a security for the purpose of the said section.

[F No. 6/19/CM/2000]

DR. J. BHAGWATI, Jt. Secy.

